PCSMANTRA.COM

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय: स्थानांतरण के साथ विरासत-संरक्षण की चुनौती

समाचार-संदर्भ: 2026-11-17 | **प्रकाशन:** 17 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-I: संस्कृति और विरासत; GS-II: सार्वजनिक संस्थाएं
प्रिलिम्स: अवधारणाएं और कथन-आधारित अभ्यास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

यह भी पढ़ें: बुद्ध की पावन धरोहरों (पिपराहवा अवशेष) का अरुणाचल प्रदेश दौरा: 31 अक्टूबर से तवांग में आगमन

खबरों में क्यों

17 नवंबर 2026 की PTI-आधारित समाचार-रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र ने केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के लिए दिल्ली के नेताजी नगर में सरकारी कार्यालय परिसर में स्थान आवंटित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 16 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने पुस्तकों के संरक्षण की व्यवस्था पर चिंता जताई और अगली सुनवाई तक उन्हें स्थानांतरित न करने को कहा। अगली सुनवाई 20 नवंबर बताई गई है। इस लेख के लिए हस्ताक्षरित न्यायिक आदेश नहीं मिला है; इसलिए न्यायालय संबंधी विवरण को समाचार-रिपोर्ट के रूप में पढ़ें, अंतिम निर्णय के रूप में नहीं।

पुस्तकालय के बारे में आधिकारिक तथ्य

पुस्तकालय की अपनी वेबसाइट के अनुसार, इसकी स्थापना 1891 में कलकत्ता में Imperial Secretariat Library के रूप में हुई थी। राजधानी के स्थानांतरण के साथ यह दिल्ली आया और 1969 से शास्त्री भवन के G-Wing में स्थित है। यह संस्कृति मंत्रालय के अधीन है। इसके संग्रह में लगभग 8.5 लाख मुद्रित तथा गैर-मुद्रित खंड हैं। वेबसाइट इसे राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता के बाद दूसरा सबसे बड़ा केंद्रीय सरकारी पुस्तकालय बताती है। आर.के. पुरम में इसकी पाठ्यपुस्तक शाखा भी है।

स्थान देना और संरक्षण करना अलग काम हैं

नया भवन मिलना एक प्रशासनिक कदम है। इससे अपने-आप यह साबित नहीं होता कि संग्रह को सुरक्षित ढंग से पैक करने, सूचीबद्ध करने, ले जाने, भंडारित करने और पाठकों को उपलब्ध कराने की पूरी व्यवस्था हो गई है। मुख्य परीक्षा में मुद्दे को केवल पुराने बनाम नए भवन के विवाद तक सीमित न रखें। सार्वजनिक संग्रह की निरंतर उपलब्धता, उसकी पहचान और जवाबदेही भी महत्वपूर्ण हैं।

विश्लेषण के लिए संरक्षण-योजना में प्रत्येक खेप की सूची, नाजुक सामग्री की अलग देखभाल, सुरक्षित भंडारण, क्षति की रिपोर्टिंग और पाठकों के लिए वैकल्पिक सेवा जैसे प्रश्न रखे जा सकते हैं। ये सुझाए गए मूल्यांकन-बिंदु हैं, न्यायालय के सत्यापित निर्देशों की सूची नहीं। डिजिटलीकरण पहुंच बढ़ा सकता है, लेकिन मूल सामग्री के भौतिक संरक्षण का विकल्प नहीं है।

परीक्षा के लिए अंतर

1891 स्थापना-वर्ष है; 1969 शास्त्री भवन में रहने का वर्ष है। नया स्थान आवंटित होना और पुस्तकों का स्थानांतरण पूरा होना समान नहीं हैं। रिपोर्ट किया गया अंतरिम विराम भी पुनर्विकास पर स्थायी प्रतिबंध नहीं है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: इसकी स्थापना 1891 में हुई थी।

कथन 2: यह संस्कृति मंत्रालय के अधीन है।

कथन 3: यह 1891 से शास्त्री भवन में स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है। स्थापना 1891 में कलकत्ता में हुई थी।

कथन 2 सही है। पुस्तकालय संस्कृति मंत्रालय के अधीन है।

कथन 3 गलत है। शास्त्री भवन में इसकी स्थिति 1969 से है, स्थापना से नहीं।

प्रश्न 2. पुस्तकालय संरक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: डिजिटलीकरण से पाठकों की पहुंच बढ़ सकती है।

कथन 2: डिजिटलीकरण मूल भौतिक संग्रह की सुरक्षा की जरूरत समाप्त कर देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

PCSMANTRA.COM

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है। डिजिटल प्रतियां दूरस्थ पहुंच और खोज में सहायता कर सकती हैं।

कथन 2 गलत है। कागज, मूल अभिलेख और नाजुक सामग्री की भौतिक सुरक्षा फिर भी जरूरी है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

सार्वजनिक पुस्तकालय के स्थानांतरण में अवसंरचना आधुनिकीकरण और दस्तावेजी विरासत-संरक्षण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए? (150 शब्द) (10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: पुस्तकालय को सार्वजनिक ज्ञान और विरासत की संस्था के रूप में रखें।

मुख्य भाग में: स्थानांतरण की जरूरत, नाजुक सामग्री, खेपवार सूची, सुरक्षित भंडारण, वैकल्पिक पहुंच और जिम्मेदारी पर चर्चा करें।

निष्कर्ष में: आधुनिकीकरण को संरक्षण और निरंतर पाठक-सेवा से जोड़ें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

यह किस मंत्रालय के अधीन है?

संस्कृति मंत्रालय।

क्या सभी पुस्तकें नेताजी नगर पहुंच गई हैं?

उपलब्ध स्रोत ऐसा नहीं कहता। समाचार-रिपोर्ट अगली सुनवाई तक पुस्तकों को न ले जाने की बात कहती है।

क्या न्यायालय का मूल आदेश जांचा गया?

नहीं। न्यायिक घटनाक्रम PTI-आधारित समाचार-रिपोर्ट पर निर्भर है; संस्थागत तथ्य पुस्तकालय की आधिकारिक वेबसाइट से हैं।

स्रोत

- csl.nic.in
- www.indiatoday.in

PCSMANTRA.COM